अध्याय
11

आधुनिकीकरण के रास्ते

जापान एशिया के पूर्वी समुद्र तट के निकट पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित कई द्वीपों से मिलकर बना देश है। जापान में 4 बड़े द्वीप हैं-1. होन्शू 2. क्यूशू 3. होकाईदो 4. शिकोकु। मुख्य द्वीप की 50% से अधिक जमीन पहाड़ी है । जापान के पड़ोसी देश कोरिया, रूस और चीन है। जापान में उच्च तीव्रता वाले भूकंप हमेशा आते रहते हैं ।यहां की अधिकतर जनसंख्या जापानी मूल की है परंतु कुछ कोरियाई मूल के श्रमिक मजदूर जापान में आकर बस गए हैं। जापान में आयनू जनजाति है, जो अल्पसंख्यक रूप में पाई जाती है। जापान की मुख्य फसल धान है और यहां पर पशुपालन की परंपरा नहीं है। प्रोटीन के लिए जापान में मछली का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया जाता है। जापानी शक्तिशाली होते हैं और इनकी जीवन प्रत्याशा दुनिया में सबसे अधिक है।

जापान की राजनीतिक व्यवस्था

1. जापान की राजनीतिक व्यवस्था- जापान में सम्राट का शासन नाम मात्र क का था। सम्राट के नाम पर वास्तव में शोगुन शासन कर रहा था। 12 वीं सदी आते-आते असली शासक शोगुन बन गया। 1603 ईस्वी से 1867 ईस्वी तक "तोकुगावा" परिवार के लोग शोगुन के पद पर रहे। जापान 250 भागों में विभाजित था इनका शासन "दैम्यो" चलाते थे। दैम्यो पर शोगुण का नियंत्रण रहता था। दैम्यो को राजधानी एदो में रहने का आदेश शगुन दिया था।
2. शोगुन प्रमुख शहरों एवं खदानों पर नियंत्रण रखता था। सामुराई शोगुन तथा दैम्यो की सेवा में थे।
3. सामुराई योद्धा वर्ग था। सामुराई कुलीन परिवार से आते थे।
4. 16वीं सदी के अंत में सम्राट तीन परिवर्तन किए-1 किसानों से हथियार वापस ले लिए और सामुराई को तलवार रखने का अधिकार दिया गया 2. दैम्यो को राजधानी में रहने का आदेश दिया गया 3. कर निर्धारण के लिए भूमि की माप करवाई गई।
5. 17वीं सदी के मध्य जापान का एदो दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर बन गया। एदो का नया नाम टोक्यों रखा गया।
6. 17वीं सदी में जापान व्यापार, वाणिज्य तथा ऋण प्रणाली के क्षेत्र में तेजी से विकास किया।

© JCERT not to be republished

7. 17वीं सदी में जापान के शहरों में व्यापारियों ने नाटक एवं कला का खूब प्रचार प्रसार किया। जापानी संस्कृति खूब फलने फूलने लगा।

8. 17वीं सदी में जापान में लेखन कला का पूर्ण विकास हो चुका था अब लेखक एवं कवि साहित्य एवं दर्शन की पुस्तक के लिखकर अपना जीविका चलाने लगे थे।

9. पुस्तकों की छपाई में तेजी से वृद्धि होने लगा। जापान में लोगों में पुस्तक पढ़ने का शौक बढ़ने लगा था।

10. 17वीं सदी के मध्य तक जापान अमीर देश बन गया था। जापान चीन से रेशम तथा भारत से महंगा कपड़ा का 4आयात करने लगा था। टोक्यो में रेशम उद्योग का विकास भी होने लगा था।

11. जापान में समाजिक तथा बौद्धिक बदलाव होने लगा था। जापानी लोगों का मानना था कि जापानी द्वीप को भगवान ने बनाया है और जापान के लोग सूर्य देवी के उत्तराधिकारी है।

जापान में मेजी पुनर्स्थापना

परिचय- 19वीं सदी में मेजी पुनर्स्थापना जापान के इतिहास के एक महान घटना थी। जापान में 1868 ईस्वी में फिर से सम्राट के शासन की शुरुआत हुआ। इस घटना से जापान के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में बदलाव आए। जापान तेजी से नगरीकरण शहरीकरण एवं औद्योगीकरण के मार्ग पर आगे बढ़ने लगा।

मेजी पुनर्स्थापना का अर्थ-प्रबुद्ध शासन। 18 सो 68 ईस्वी से पहले जापान में सम्राट नाम मात्र का शासन कर रहा था। सम्राट के समस्त अधिकार और शक्ति का प्रयोग शोगुण करता था परंतु 1868 ईस्वी में शोगुन की शासन समाप्त करके जापान में सम्राट का शासन स्थापित किया गया। शोगुन के पदसे तोकुगावा वंश को हटा दिया गया। जापान के मेजी को एदो ले आया गया। एदो का नया नाम टोक्यों रखा गया। टोक्यो जापान का नया राजधानी बन गया। जापान के नया सम्राट उत्साही योग्य और बुद्धिमान था। जापान में शोगुन के प्रभाव समाप्त होने के बाद जापान आश्चर्यजनक ढंग से एक आधुनिक राष्ट्र बन गया। सम्राट मुत्सुहितो ने भेजी की उपाधि धारण की।

1. मेजी पुनर्स्थापना के कारण

2. जापान में शोगुण के शासन से उत्पन्न जन असंतोष

3. जापान के कुछ लोग अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक राजनीतिक संबंध बनाने के पक्षधर थे।

4. अमेरिका द्वारा जापान पर व्यापारिक संबंध स्थापित करने के लिए दबाव डालना।

1. मेजी पुनर्स्थापना के परिणाम

2. जापानी जीवन शैली का पश्चिमीकरण होने लगा।।

3. लड़के और लड़कियों को स्कूल जाना अनिवार्य कर दिया गय। नए-नए स्कूल और कॉलेज खोले जाने लगे।

4. जापान के लोगों में राष्ट्रीयता की भावना जगने लगी।

5. जापानी सेना का आधुनिकीकरण होने लगा और सम्राट नौकरशाही तथा सेना मिलकर शासन चलाना शुरु किया।

6. जापान के लोगों को नागरिक की श्रेणी में लाने का प्रयास किया जाने लगा।

© JCERT not to be republished

7. लोकतांत्रिक संविधान का निर्माण हुआ और एक मजबूत विदेश नीति बनाने की मांग होने लगी। औपनिवेशिक साम्राज्य के विस्तार को बढ़ावा मिला।

8. जापान में सामंतवादी शासन व्यवस्था का अंत हो गया तथा पाश्चात्य शिक्षा तकनीक और विज्ञान को बढ़ावा मिला।

9. जापान के प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार हुआ।

जापान में रोजमर्रा की जिंदगी

परिचय-जापान में आधुनिकीकरण होने से सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक जीवन में कई परिवर्तन देखने को मिलने लगे।

1. जापान में रोजमर्रा की जिंदगी

2. राष्ट्र तथा सम्राट के प्रति वफादारी की भावना का विकास होने लगा।

3. माता पिता के प्रति आदर एवं सम्मान की भावना का विकास होने लगा।

4. जापान में स्कूल में नैतिक शास्त्र की शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया।

5. आधुनिक ढंग के कारखाना ने 50% महिलाएं कार्य करने लगी।

6. जापान में संयुक्त परिवार का विघटन होने लगा और मूल परिवार की संख्या में वृद्धि होने लगी। मूल परिवार में पति पत्नी और बच्चे ही रहते थे।

7. मनोरंजन के नए-नए साधन के विकास होने लगे।

8. नए-नए डिजाइन के घर का निर्माण होने लगा।

9. लड़का और लड़की को स्कूल जाना अनिवार्य कर दिया गया।

जापान मे पश्चिमीकरण और परंपरा

1. जापान अपनी पुरातन परंपराओं तथा संस्कृति की रक्षा करते हुए आवश्यकता अनुसार पश्चिमी परंपराओं को आत्मसात कर आधुनिकीकरण के पथ पर अग्रसर हुआ।

2. जापानियों के अनुसार अमेरिका एवं पश्चिमी यूरोप यह देश सभ्यता के उच्च स्तर को प्राप्त कर लिए थे।

3. जापान को भी उच्च स्तर के सभ्यता की ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

4. मेजी काल के विचारक फुकुजावा यूकिची के अनुसार "जापान को अपने में से एशिया को निकाल फेंकना चाहिए।"

5. अर्थात् जापान को अपनी एशियाई लक्षण छोड़ देना चाहिए और पश्चिम का हिस्सा बन जाना चाहिए।

6. कुछ जापानी विचारक पश्चिमी उदारवाद की तरफ आकर्षित थे। इनका मानना था कि लोकतंत्र के मार्ग पर जपान को चलना चाहिए।

7. एमोरी का कहना था कि हमें स्वतंत्रता, समानता एवं भाईचारे को अपनाकर जापान को आधुनिक बनाना चाहिए।

8. एमोरी उदारवादी शिक्षा के समर्थक थे। एमोरी के अनुसार "व्यवस्था से ज्यादा कीमती चीज है- आजादी।"

9. कुछ जापानी विचारक महिलाओं को मताधिकार देने का भी समर्थन कर रहे थे।

10. जापान के अगली पीढ़ी के लोगों ने

© JCERT not to be republished

पश्चिमी विचारों को पूरी तरह से स्वीकार करने पर सवाल उठाए और कहा कि राष्ट्रीय गर्व देसी मूल्य पर निर्मित होना चाहिए।

11. दर्शन शास्त्री मियाके सेत्सुरेने कहा कि विश्व सभ्यता के हित में प्रत्येक राष्ट्र को अपने खास हुनर का विकास करना चाहिए।

12. सेत्सुरे का कहना था कि "अपने को अपने देश के लिए समर्पित करना है, अपने को विश्व को समर्पित करना है।"

13. कुछ जापानी अपने परंपरागत संस्कृति एवं अपने भाषा के आधार पर जापान को आगे बढ़ाना चाहते थे।

14. यूकेची का सिद्धांत था"स्वर्ग ने इंसान को इंसान से ऊपर नहीं बनाया है और ना ही इंसान को इंसान के नीचे बनाया है।"

15. पश्चिमी उदारवादी शिक्षा और पश्चिमी विचारों से प्रभावित होकर जापान ने अपनी नई संविधान की घोषणा की।

© JCERT not to be republished